## रत का र जपश The Gazette of India

## असाधारण EXTRAORDINARY

भाग ।।--खण्ड ३--उप-खण्ड (।)

PART II-Section 3-Sub-section (i) प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY



सं• 28 ] No. 28] नई दिल्ली, बुधवार, जनवरी 28, 1998/माघ 8, 1919

NEW DELHI, WEDNESDAY, JANUARY 28, 1998/MAGHA 8, 1919

वित्त मंत्रालय

( राजस्व विभाग )

अधिसचना

नई दिल्ली, 28 जनवरी, 1998

सं. 46 ⁄ 98 सेवा~कर

सा. का. नि. 59( अ ). — केन्द्रीय उत्पाद-शुस्क और सीमाशुस्क बोर्ड, वित्त अधिनियम, 1994 ( 1994 का 32 ) की धारा 65 के खंड 4 के साथ पठित केंद्रीय उत्पाद-शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 2 के खंड (ख) और सेवा-कर नियम, 1994 के नियम 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, महानिदेशक (सेवा-कर) को केंद्रीय उत्पाद-शुल्क अधिकारी के रूप में नियुक्त करता है और उसमें किसी कराधेय सेवा के संबंध में भारत के समस्त राज्यक्षेत्र में उसके द्वारा प्रयोग किए जाने के लिए वे सभी शक्तियाँ, जो केंद्रीय उत्पाद-शुल्क के मुख्य आयुक्त द्वारा प्रयोक्तव्य हैं, जो वित्त अधिनियम, 1994 (1994 का 32) के अध्याय 5 और सेवा-कर नियम, 1994 के अधीन प्रदत्त केंद्रीय उत्पाद-शल्क अधिकारी की शक्तियों के रूप में हैं, विनिर्हित करता है ।

> [फा. सं. 137/13/97-सी. एक्स-4] एस. सी. भाटिंया, अवर सचिव

## MINISTRY OF FINANCE (Department of Revenue) NOTIFICATION

New Delhi, the 28th January, 1998 No. 46/98-SERVICE TAX

G. S. R. 59(E).—In exercise of the powers conferred by clause (b) of section 2 of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944) and rule 3 of the Service Tax Rules, 1994 read with clause (4) of Section 65 of the Finance Act, 1994 (32 of 1994), the Central Board of Excise and Customs hereby appoints the Director General (Service Tax) as Central Excise Officer and invests him with all the powers to be exercised by him throughout the territory of India as are exercisable by the Chief Commissioner of Central Excise, such powers being the powers of a Central Excise Officer conferred under Chapter V of the Finance Act, 1994 (32 of 1994) and the Service Tax Rules, 1994 regarding any taxable service.

> [F. No. 137/13/97-CX, 4] S. C. BHATIA, Under Secy.

249 GI/98